

आवनी-जावनी वि. (देश.) 1. अस्थिर, चंचल, आने वाली और तुरंत ही जाने वाली, टिकने वाली नहीं 2. मामूली, जिस का बहुत महत्व न हो।

आवनेय पुं. (तत्.) अवनि अर्थात् पृथ्वी का पुत्र, मंगल (ग्रह)।

आवपन पुं. (तत्.) 1. बोआई, बोना 2. पेड़ लगाना 3. बिखेरना 4. सारे सिर का मुंडन, हजामत 5. पात्र, भाँडा।

आवभगत स्त्री. (देश.) किसी के आने पर किया जाने वाला स्वागत-सत्कार, खातिरदारी, मेहमानदारी, आतिथ्य, मेहमाननवाजी।

आवभाव पुं. (देश.) 1. आदर-सत्कार, आवभगत 2. बेतुकी बात, बिना सिर-पैर की बात, बकवास, प्रवाद।

आवय पुं. (तत्.) 1. आगंतुक 2. आना, आगमन।

आवरक पुं. (तत्.) 1. परदा 2. ढक्कन वि. आवरण करने वाला, छिपाने वाला, ढकने वाला।

आवरण पुं. (तत्.) 1. परदा, चिक 2. ढकना, छिपाना 3. ढक्कन 4. ढाल 5. घर की चहार दीवारी 6. खोल।

आवरण आख्या स्त्री. (तत्.) दे. आवरण शीर्षक।

आवरण कथा स्त्री. (तत्.) पुस्त. साप्ताहिक, पक्षिक पत्रिकाओं के मुखपृष्ठ पर छपे हुए चित्र से संबंधित विस्तृत जानकारी पर्या. आमुख कथा cover story

आवरण-पत्र संज्ञा. (तत्.) पुस्त. किसी ग्रंथ की रक्षा के लिए उसके ऊपर चढ़ाया हुआ चिकना, मजबूत कागज जिस पर लेख का नाम, प्रकाशक का विवरण आदि छपा रहता है। jacket

आवरण-परिचय पुं. (तत्.) पुस्तक के आवरण पर प्रकाशक अथवा लेखक द्वारा दिया गया, पुस्तक का, सारगर्भित परिचय, प्रायः पुस्तक के जैकेट पर लिखा जाने वाला।

आवरण पृष्ठ पुं. (तत्.) पत्र-पत्रिका का आवरण, जिस पर अंक के प्रमुख कथ्य को चित्रांकित किया जाता है।

आवरण शक्ति स्त्री. (तत्.) दर्श. 1. आत्मा अथवा चैतन्य को ढकने वाली शक्ति 2. अज्ञान।

आवरण शीर्षक पुं. (तत्.) पुस्त. पुस्तक का वह शीर्षक जो प्रकाशक द्वारा जिल्द पर लिखा जाता है और जो मुख्य पृष्ठ पर दिए गए शीर्षक से भिन्न होता है पर्या. आवरण आख्या cover title

आवरा पुं. (तद्.) ओढ़ने का कपड़ा या चादर, आवरण, ओढ़न वि. (देश.) उदास, व्याकुल, बेचैन, विमुख, विपरीत।

आवरिका स्त्री. (तत्.) छोटी दुकान।

आवरित वि. (तत्.) दे. आवृत।

आवर्जक वि. (तत्.) 1. आकर्षक, सुंदर, मनमोहक, लुभावना 2. वश में करने वाला 3. पराजित करने वाला।

आवर्जन पुं. (तत्.) 1. आकृष्ट करना 2. अपने वश में करना 3. पराभूत करना 4. पराजय, हार।

आवर्जना स्त्री. (तत्.) दे. आवर्जन।

आवर्जित (तत्.) 1. परास्त, पराजित, पराभूत 2. किसी के वश में आया हुआ 3. आकृष्ट, किसी ओर खिंचा हुआ 4. त्यक्त, परित्यक्त।

आवर्त पुं. (तत्.) 1. भँवर 2. घुमाव, चक्कर, रोमावलि-चक्र 3. अवधि-विशेष में संपन्न व्यवसाय की मात्रा 4. घनी आबादी 5. लाजवर्त नामक रत्न 6. मेघ जिससे बहुत अधिक पानी बरसे 7. चार मेघाधिपों में से एक 8. ललाट पर पड़े बल 9. किसी चिंता का बार-बार जन्म लेना 10. (घोड़े की) भँवरी 11. आत्मा का संसार में बार-बार जन्म लेना 12. अयाल वि. 1. घूमा हुआ, मुड़ा हुआ 2. चक्करदार 3. पुनरावर्ती।

आवर्तक वि. (तत्.) 1. समय-समय पर जिसकी आवृत्ति हो 2. बार-बार होने या किया या दिया जाने वाला 3. घुंघराले बाल या लट 4. उमड़ते-घुमड़ते बादल। 5. योग. पाँच प्रकार के विघ्नों में से एक, जिसके कारण ज्ञान अव्यवस्थित हो जाता है।